।। श्री गणेशाय नमः।।



हिन्दी पाक्षिक Fortnightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan ki



RNI No.: WBHIN/2021/84049

विक्रम संवत 2083, कार्तिक, कृष्ण पक्ष सप्तमी, 01-15 नवंबर 2026 (01-15 November 2026), वर्ष-6 (YEAR-6), अंक - 13, पृष्ठ - 4, मूल्य - ₹2, (PRICE- 2/-)

दुर्गापूजा में मछली-मटन और चिकन की जमकर हुई बिक्री

होटल व रेस्तरां कारोबारियों का दावा:-

- बीते आठ वर्षों में इस बार की दुर्गापूजा में सबसे बेहतर कारोबार
- बागेश्वर बाबा की पूजा में शाकाहारी भोजन की अपील रहा बेअसर

सोनू कुमार झा: बंगाल में दुर्गापूजा के दौरान मछली, मटन और चिकन के व्यंजनों की जमकर हुई बिक्री। सितंबर की शुरुआत में बंगाल में कथा कहने आए बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री द्वारा दुर्गापूजा के दौरान बंगालियों से शाकाहारी भोजन करने की अपील के बाद हुए सियासी विवाद के बीच पूजा के दौरान होटल-रेस्तरां में जमकर भीड़ उमड़ी और लोगों ने मांसाहार व्यंजनों का लुत्फ उठाया। होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन के पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष सुदेव पोद्दार के अनुसार, इस बार दुर्गापूजा के दौरान राज्य के होटलों व रेस्तरां में पिछले साल की तुलना में बिक्री (कारोबार) में 20 से 35 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, कोलकाता के कुछ प्रमुख रेस्तरां में बिक्री 25 से 40 प्रतिशत तक बढ़ी। बात हिंदुस्तान की अखबार से बातचीत में पोद्दार ने दावा किया कि बागेश्वर बाबा की अपील का पूजा के दौरान मांसाहारी व्यंजनों की मांग पर कोई असर नजर नहीं आया। कोलकाता समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने परिवार और दोस्तों



के साथ बाहर भोजन करने का आनंद लिया। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया से जुड़े कारोबारियों ने भी इस बार दुर्गापूजा के दौरान रेस्तरां उद्योग में अच्छी वृद्धि की जानकारी दी। पोद्दार के अनुसार, यह रुझान बंगाल की खान-पान परंपरा के साथ त्योहारों के दौरान बढ़ते उपभोक्ता खर्च और पर्यटन से जुड़े कारोबार की मजबूती को भी दर्शाता है।

आठ वर्षों में सबसे बेहतर कारोबार का दावा

पोद्दार के अनुसार, बंगाल में करीब 70 हजार होटल और रेस्तरां हैं। दुर्गापूजा के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों से कारोबार बढ़ने की जानकारी मिली है। कुछ कारोबारियों ने बिक्री में 20 प्रतिशत, जबकि कई ने 35 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की। उनके मुताबिक, इस बार परिवार के साथ रेस्तरां पहुंचकर भोजन करने वालों की संख्या में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। हर साल की तरह दुर्गापूजा के दौरान पंडाल दर्शन के साथ पसंदीदा व्यंजनों का आनंद लेना भी लोगों की उत्सवी दिनचर्या का अहम हिस्सा रहा। कोलकाता में चाइनीज, आंध्रप्रदेश और मुगलई व्यंजन परोसने वाले रेस्तरां में भारी भीड़ उमड़ी। मछली, चिकन, मटन और बिरयानी जैसे व्यंजनों की मांग बनी रही। कारोबारियों के अनुसार, महालया से ही उत्सवी माहौल बनने और दूसरे जिलों तथा राज्यों से पर्यटकों की आमद बढ़ने से भी कारोबार को लाभ मिला।

बागेश्वर बाबा की अपील के बाद हुआ था जबर्दस्त विवाद

गौरतलब है कि सितंबर में कोलकाता के दौरे पर आए बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की शाकाहारी भोजन संबंधी अपील पर बंगाल में जबर्दस्त राजनीतिक प्रतिक्रिया और विरोध देखने को मिला था। उनके बयान पर विवाद के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने लेकर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी थी। शमिक भट्टाचार्य ने तब कहा था कि किसी संत के कहने भर से बंगाली मांसाहारी भोजन करना नहीं छोड़ देंगे। वहीं, मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कहा था कि बंगाली अपनी खान-पान परंपराओं को अच्छी तरह जानते हैं। लोग अपनी पसंद का भोजन और धार्मिक परंपराएं अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं।

यहां तक कि विवाद के बाद शुभेंदु ने कोलकाता के कालीघाट मंदिर में पूजा के बाद मछली के लिए और बासंती पुलाव का प्रसाद ग्रहण करके भी बंगाल की खान-पान परंपरा को रेखांकित किया था।

बंगाल में एसएसआर का संशोधित कार्यक्रम घोषित

कोलकाता : बंगाल में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) का संशोधित कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसके अनुसार, एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर तैयार होने वाली मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 16 जनवरी 2027 को किया जाएगा। आयोग के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, मतदान केंद्रों के युक्तिकरण और पुनर्व्यवस्था का काम 13 नवंबर तक पूरा करना होगा। इसके बाद 23 नवंबर को एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। प्रारूप सूची के प्रकाशन के साथ ही मतदाताओं को अपने नाम और अन्य विवरणों की जांच करने का अवसर मिलेगा। प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद 23 नवंबर से 22 दिसंबर तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। चुनाव आयोग ने इन दावों और आपत्तियों के निपटारे के लिए आठ जनवरी 2027 तक की समय सीमा तय की है। इसके बाद 16 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। आयोग ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी को संशोधित कार्यक्रम की जानकारी सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुंचाने तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। राजनीतिक दलों को भी संशोधित समय-सारिणी के बारे में लिखित रूप से सूचित किया जाएगा।

दिसंबर में शुरू हो सकती है बेलियाघाटा-सेक्टर पांच मेट्रो सेवा

कोलकाता के मेट्रो यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। बेलियाघाटा से सॉल्टलेक के सेक्टर पांच स्थित आइटी सेंटर तक आरेंज लाइन के विस्तारित हिस्से पर दिसंबर में यात्री सेवा शुरू होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, 19 दिसंबर को इस हिस्से पर मेट्रो सेवा शुरू हो सकती है। उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल होने की संभावना भी जताई जा रही है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दरअसल बीते दिनों सातदिनगाछी में एक नई ट्रेन के उद्घाटन समारोह के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मेट्रो परियोजना को लेकर अहम जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि बेलियाघाटा से आइटी सेंटर तक मेट्रो लाइन का निर्माण पूरा हो चुका है और जल्द ही सेवा शुरू की जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री को उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने की पहल की बात भी कही। कवि सुभाष से बेलियाघाटा तक करीब 9.9 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो चल रही है। अब बेलियाघाटा से सेक्टर पांच के आइटी सेंटर तक 4.5 किलोमीटर हिस्से पर सेवा शुरू करने की तैयारी है। न्यूटाउन के रास्ते बाकी हिस्से का निर्माण कार्य अभी जारी है, जिसे पूरा होने में लगभग दो साल और लग सकते हैं। बीते 10 अक्टूबर को बेलियाघाटा से आइटी सेंटर तक पहली ट्रायल मेट्रो चलाई गई थी। इस दौरान नई लाइन के बुनियादी ढांचे और सिग्नलिंग व्यवस्था की जांच शुरू हुई।



फेज के किलोमीटर हैं। फिलहाल कवि सुभाष से बेलियाघाटा तक करीब 9.9 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो चल रही है। अब बेलियाघाटा से सेक्टर पांच के आइटी सेंटर तक 4.5 किलोमीटर हिस्से पर सेवा शुरू करने की तैयारी है। न्यूटाउन के रास्ते बाकी हिस्से का निर्माण कार्य अभी जारी है, जिसे पूरा होने में लगभग दो साल और लग सकते हैं। बीते 10 अक्टूबर को बेलियाघाटा से आइटी सेंटर तक पहली ट्रायल मेट्रो चलाई गई थी। इस दौरान नई लाइन के बुनियादी ढांचे और सिग्नलिंग व्यवस्था की जांच शुरू हुई।

स्कूलों में पास-फेल से पहले बुनियादी सुविधाओं की चुनौती

सोनी कु. झा: बंगाल में स्कूलों में पास-फेल व्यवस्था फिर से लागू करने की चर्चा के बीच शिक्षा व्यवस्था की बुनियादी चुनौतियां सामने आने लगी हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस व्यवस्था को वापस करने का संकेत दिया है। लेकिन शिक्षकों और शिक्षा संगठनों का मानना है कि केवल परीक्षा में उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण की व्यवस्था बहाल करने से विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार नहीं होगा। इसके लिए पहले स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता, विद्यार्थियों की संख्या और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना जरूरी है। राज्य में चार

- पांचवीं और आठवीं कक्षा में ही लागू हो सकती है
- चार हजार से अधिक स्कूलों में विद्यार्थी नहीं
- शिक्षकों की कमी तो कहीं घट रही छात्रों की संख्या

हजार से अधिक स्कूलों में विद्यार्थियों का नहीं होना और ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में शिक्षकों व छात्रों के अनुपात में असंतुलन इस चुनौती को और गंभीर बनाता है। चुनौती केवल परीक्षा में उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण घोषित करने की नहीं, बल्कि पढ़ाई की गुणवत्ता, अनुशासन और विद्यार्थियों के संतुलित विकास को बेहतर बनाने की भी है।

राज्य के स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपलब्धता का असंतुलन लंबे समय से चिंता का विषय है। ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या पर्याप्त होने के बावजूद शिक्षक कम हैं, जबकि शहरी इलाकों के अनेक सरकारी स्कूल विद्यार्थियों की कमी से जूझ रहे हैं। शिक्षक संगठनों के अनुसार, उत्साश्री पोर्टल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों से शिक्षकों के शहरों में स्थानांतरण और लंबे समय से नई नियुक्तियां नहीं होने से स्थिति प्रभावित हुई है। सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण भी अभिभावकों का रुझान निजी स्कूलों की ओर बढ़ा है।

आल हंड़िया सेव एजुकेशन कमेटी के महासचिव तरुण नस्कर ने पास-फेल व्यवस्था बहाल करने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि बुनियादी सुविधाओं में सुधार के बिना इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया के बीच में रुकने और नौकरी गंवा चुके शिक्षकों की अनिश्चितता का भी उल्लेख किया। ऐसे में सवाल यह है कि कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त पढ़ाई देने के लिए स्कूलों के पास पर्याप्त शिक्षक और संसाधन उपलब्ध हैं या नहीं। इसलिए पास-फेल व्यवस्था की बहाली के साथ शिक्षकों की नियुक्ति, स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के विकास और कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त शिक्षण व्यवस्था पर भी ध्यान देना होगा। अन्यथा परीक्षा प्रणाली में बदलाव से अपेक्षित शैक्षणिक सुधार हासिल करना मुश्किल हो सकता है।

जनगणना 2027

25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक चलेगा। इस दौरान बर्फ से ढके राज्यों और चुनाव वाले राज्यों को छोड़कर देश के अन्य हिस्सों में जनगणना की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सरकार ने नागरिकों को स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करने की सुविधा भी दी है। इसके तहत लोग 10 जनवरी से 24 जनवरी 2027 तक ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी भर सकेंगे। इसके बाद 1 मार्च से 5 मार्च 2027 तक रिविजनल राउंड आयोजित किया जाएगा।

अभी तो ब्रेकफास्ट हुआ है, लंच बाकी : शुभेंदु

- मुख्यमंत्री ने विधानसभा में मजाकिया अंदाज में कहा, सरकार के छह महीने सुबह की चाय-बिस्कुट जैसे, अभी साढ़े चार साल में बहुत कुछ करना बाकी
- रेजीनगर उपचुनाव में भाजपा की जीत, अल्पसंख्यकों का विश्वास जीतने का किया दावा

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा में अपनी सरकार के कामकाज को लेकर बड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार को सत्ता में आए अभी केवल छह महीने हुए हैं और अगले साढ़े चार वर्षों में बहुत कुछ करना बाकी है। उन्होंने अपने अंदाज में कहा कि अभी तो ब्रेकफास्ट हुआ है, लंच बाकी है। देखते रहिए कि हम कैसे आगे बढ़ते हैं और लोगों का साथ लेकर कैसे चलते हैं। हाल में राज्य की दो विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में नंदीग्राम के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक हाजिरा रब और रेजीनगर से विजयी सहाराम सरकार के विधानसभा में शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री ने सदन को संबोधित करते हुए यह बात कही।



रेजीनगर की जीत से भाजपा को सांप्रदायिक बताने वालों को जवाब

मुख्यमंत्री ने इस दौरान दोनों सीटों पर भाजपा की जीत को आधार बनाकर पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जोरदार निशाना साधा।

शुभेंदु ने विशेषकर मुर्शिदाबाद जिले की रेजीनगर उपचुनाव में मिली जीत का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा को सांप्रदायिक पार्टी बताने वालों को रेजीनगर के नतीजों से जवाब मिल गया है। रेजीनगर के मतदाताओं ने इस धारणा को तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि रेजीनगर में भाजपा उम्मीदवार सहाराम सरकार ने 75 हजार से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

रेजीनगर में अल्पसंख्यक मतदाताओं का समर्थन मिलने का दावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेजीनगर में अन्नपूर्णा योजना से लाभान्वित करीब 70 हजार महिलाओं में लगभग 35 हजार अल्पसंख्यक समुदाय से हैं। शुभेंदु ने रेजीनगर के मतदान के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र के करीब 300 बूथों में से लगभग 100 बूथ ही हिंदू बहुल थे। इसके बावजूद भाजपा उम्मीदवार छठाराम सरकार को अल्पसंख्यक बहुल बूथों से भी बड़ी बहुत मिली। उन्होंने दावा किया कि अन्नपूर्णा भंडार योजना का लाभ लेने वाली मुस्लिम महिलाओं ने भी भाजपा पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि भाजपा हिंदू और सनातन धर्म में विश्वास रखने वाली पार्टी है। उसके नेता माथे पर तिलक लगाते हैं, लेकिन सरकार चलाते समय किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाता। सभी नागरिकों का विकास सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने मुर्शिदाबाद में चुनाव प्रचार के दौरान चाकलेट बटोरने के क्रम में एक बच्ची की दुखद मृत्यु का भी विधानसभा में उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि चुनाव समाप्त होने के बाद वह बच्ची के घर गए थे और मुख्यमंत्री राहत कोष से उसके माता-पिता को 10 लाख रुपये की सहायता दी गई।

हावड़ा-लोकहा बाजार स्पेशल ट्रेन एक दिन में सभी सीटें बुक

- 'बात हिंदुस्तान की' पहल पर पहली बार हावड़ा से चली इस रूट में ट्रेन
- यात्रियों में उत्साह का माहौल, डेली परिचालन की उठी मांग
- गाड़ी नो. 03031/03032 का परिचालन हावड़ा से लोकहा बाजार तक

अजय कुमार झा: कोलकाता और हावड़ा में रहने वाले मिथिलांचल के हजारों लोगों को दिवाली और छठ पूजा के दौरान अपने घर पहुंचने के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। त्योहारों के समय ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ के कारण टिकट मिलना मुश्किल हो जाता है। वहीं, जयनगर और मधुबनी तक चलने वाली स्पेशल ट्रेनों के बावजूद लोकहा बाजार, निर्मली और सुपौल जाने वाले यात्रियों को आगे की यात्रा सड़क मार्ग से करनी पड़ती है। इससे उनका समय और पैसा दोनों खर्च होते हैं।

दिवाली और छठ पूजा के मद्देनजर मिथिलांचल जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने हावड़ा से बिहार के मधुबनी जिले के लोकहा बाजार तक एक फेरा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। बात हिंदुस्तान की की पहल पर रेलवे द्वारा उठाए गए इस कदम को यात्रियों का अच्छा प्रतिसाद मिला है। ट्रेन का रिजर्वेशन शुरू होने के महज एक दिन के भीतर सभी सीटें बुक हो गईं।

इस संबंध में बात हिंदुस्तान की की ओर से पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक विशाल कपूर के समक्ष यात्रियों की समस्या उठाई गई थी। उन्होंने मामले को देखने के लिए सीनियर डीसीएम रानीय को निर्देश दिया था। इसके बाद रेलवे की ओर से 10 नवंबर को हावड़ा-लोकहा बाजार स्पेशल ट्रेन का एक फेरा चलाने का निर्णय लिया गया।

यात्रियों के इस उत्साह ने हावड़ा और मिथिलांचल के बीच सीधी रेल सेवा की आवश्यकता को फिर सामने ला दिया है। फिलहाल लोकहा बाजार, निर्मली और सुपौल जाने वाले यात्रियों को जयनगर या मधुबनी पहुंचने के बाद सड़क मार्ग से यात्रा करनी पड़ती है। बात हिंदुस्तान की की ओर से रेलवे से इस स्पेशल ट्रेन को नियमित करने अथवा इसके फेरों की संख्या बढ़ाने की मांग की गई है, ताकि कोलकाता और हावड़ा में रहने वाले मिथिलांचल के हजारों लोगों को पूरे वर्ष सीधी रेल सेवा का लाभ मिल सके।

75 वर्ष की उम्र में ममता को अब आराम करना चाहिए : शुभेंदु

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उम्र और उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर तंज कसते हुए उन्हें अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने और आराम करने की सलाह दी। हाल में राज्य की दो सीटों पर हुए उपचुनाव में नंदीग्राम और रेजीनगर से नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों हाजिरानी रब और छठाराम सरकार के विधानसभा में शपथ ग्रहण समारोह के बाद सदन में अपने संबोधन में शुभेंदु ने कहा कि ममता बनर्जी की उम्र अब करीब 75 वर्ष हो गई है और उन्हें आराम करना चाहिए। शुभेंदु ने नंदीग्राम के लोगों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वहां के लोगों ने उनसे कोलकाता की भवानीपुर सीट छोड़ने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि यदि वह भवानीपुर सीट छोड़ देते, तो ममता बनर्जी को फिर से वहां चुनाव लड़ने का अवसर मिल सकता था। इसलिए उन्होंने भवानीपुर सीट बरकरार रखते हुए नंदीग्राम सीट से इस्तीफा दे दिया था।

"बात हिंदुस्तान की" के ओर से आप सभी को दीपावली, कालीपूजा एवं महापर्व छट की हार्दिक शुभकामनाएं।

एनकाउंटर पर राजनीति न करे विपक्ष: दिलीप घोष

सिलीगुड़ी: बंगाल में हुए दो एनकाउंटरों को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर भाजपा नेता एवं राज्य के कृषि मंत्री दिलीप घोष ने पलटवार किया है। उन्होंने विपक्ष से सवाल किया कि वह दुष्कर्म के आरोपितों के साथ है या कानून के साथ। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अपना कर्तव्य निभाया है और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की है। ऐसे मामलों में राजनीति करना उचित नहीं है।

दार्जिलिंग सरस मेला के उद्घाटन के लिए रवाना होने से पहले बागडोगरा एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से बातचीत में घोष ने कहा कि जब अपराधी कानून को चुनौती देंगे, तो पुलिस सख्त कदम उठाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले की सरकारें पुलिस को कार्रवाई करने से रोकती थीं। भाजपा की सरकार बनने के बाद पुलिस अपना काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिता के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए दिलीप घोष ने कहा कि खड़गे को अपनी उम्र का ख्याल रखना चाहिए और अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। विपक्ष के पास विरोध करने के अलावा कोई काम नहीं रह जाएगा।



डिजिटल करवा चौथ: परंपरा, प्रेम और तकनीक का संगम, अब तस्वीरों से वीडियो कॉल तक बदल रहा है त्योहार मनाने का अंदाज

कोलकाता, संघमित्रा सक्सेनाः भारतीय संस्कृति में करवा चौथ केवल एक व्रत नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, समर्पण और वैवाहिक रिश्तों की मजबूती का प्रतीक माना जाता है। परंपरागत रूप से विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए सूर्योदय से चंद्रोदय तक व्रत रखती हैं। हालांकि, डिजिटल युग में इस पारंपरिक त्योहार को मनाने का अंदाज भी तेजी से बदल रहा है। अब पूजा की थाली और चांद के दीदार के साथ स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, वीडियो कॉल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) भी करवा चौथ के उत्सव का हिस्सा बन गए हैं।



क्या है डिजिटल करवा चौथ?

डिजिटल करवा चौथ का अर्थ है आधुनिक तकनीक की मदद से पारंपरिक त्योहार की खुशियों को अपनों तक पहुंचाना। खासकर उन दंपतियों के लिए डिजिटल माध्यम उपयोगी साबित हो रहे हैं, जो नौकरी, व्यवसाय या अन्य कारणों से एक-दूसरे से दूर रहते हैं। ऐसे में वीडियो कॉल के जरिए चांद का दीदार करना, व्हाट्सऐप पर शुभकामनाएं भेजना, ऑनलाइन पूजा सामग्री मंगवाना और सोशल मीडिया पर त्योहार की तस्वीरें साझा करना आम होता जा रहा है। अक तस्वीरों से त्योहार को मिल रहा नया रूप इस वर्ष करवा चौथ के अवसर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से आकर्षक और रचनात्मक तस्वीरें तैयार करने का चलन भी चर्चा में है। लोग अपनी और अपने जीवनसाथी की तस्वीरों को अलग-अलग अंदाज में तैयार कर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। अक आधारित शुभकामना कार्ड और डिजिटल ग्रीटिंग्स भी त्योहार को खास बनाने का नया माध्यम बन रहे हैं।

हावड़ा सिटी पुलिस के साइबर क्राइम सेल पहुंचे कुणाल घोष, बोले–लोकेशन लिखने में हुई गलती, कंटेंट सही था

हावड़ाः दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को लेकर सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट के सिलसिले में हावड़ा सिटी पुलिस की ओर से नोटिस मिलने के बाद तृणमूल कांग्रेस के ममता समर्थक नेता कुणाल घोष गुरुवार को पुलिस के साइबर क्राइम सेल पहुंचे। पुलिस ने उन्हें 23 अक्टूबर को नोटिस भेजा था।

यह मामला हावड़ा के रामकृष्णपुर घाट और कोलकाता के बाजे कदमतला घाट पर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन से जुड़ा है। पुलिस अधिकारियों से मुलाकात के दौरान कुणाल घोष ने कहा कि वह स्वयं हिंदू हैं और सनातन धर्म में विश्वास रखते हैं। वह कई पूजा समितियों और धार्मिक संगठनों से भी जुड़े हुए हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर किसी पोस्ट के जरिए किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का उनका कोई इरादा नहीं था।

कुणाल घोष ने कहा कि वह खुद को सनातन धर्म का अनुयायी साबित करने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज लेकर आए हैं। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि लोगों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट को उन्होंने डिलीट नहीं किया है।

करीब दो घंटे तक हावड़ा डीडी कार्यालय में रहने के बाद कुणाल घोष बाहर निकले। बाहर आने पर उन्होंने पोस्ट में जगह का नाम लिखने को लेकर हुई गलती स्वीकार की। उन्होंने कहा कि हावड़ा में भी कदमतला नाम की जगह है। सी वजह से उन्होंने कोलकाता के बाजे कदमतला घाट की जगह हावड़ा लिख दिया था। कुणाल घोष ने कहा, "कोलकाता के बाजे कदमतला की जगह हावड़ा लिखना मेरी गलती थी, लेकिन मेरा उद्देश्य सनातनियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। पोस्ट में जो कंटेंट था और तस्वीर थी, वह सही थी।"

इस तरह कुणाल घोष ने जगह का नाम लिखने में हुई गलती स्वीकार करते हुए पोस्ट के मूल कंटेंट को सही बताया।

वहीं, यह मामला सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पुलिस की ओर से भेजे गए नोटिस के बाद सामने आया है।

'गणतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के नारे के साथ 3 नवंबर को बंगाल में महा रैली, हावड़ा में काजीपाड़ा से हावड़ा मैदान तक निकलेगा जुलूस

हावड़ाः हागणतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओह के नारे के साथ 3 नवंबर को पश्चिम बंगाल के पांच प्रमुख स्थानों पर एक साथ महा रैली निकाली जाएगी। गैर-राजनीतिक संगठन की ओर से आयोजित इस रैली के लिए कोलकाता, हावड़ा, सिलीगुड़ी, कृष्णानगर और दुर्गापुर का चयन किया गया है। आयोजकों के अनुसार, इस रैली का उद्देश्य देश में बढ़ती अराजकता के खिलाफ आवाज उठाना और गणतंत्र एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा का संदेश देना है।

हावड़ा में रैली की तैयारियों को लेकर जानकारी देते हुए आयोजकों ने बताया कि हावड़ा में काजीपाड़ा से हावड़ा मैदान तक रैली निकाली जाएगी। यह जुलूस जीटी रोड से होकर गुजरेगा। इसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। आयोजकों के मुताबिक, हावड़ा में आयोजित रैली में हावड़ा, उलुबेड़िया, हुगली, आरामबाग और श्रीरामपुर सहित आसपास के लोकसभा क्षेत्रों से लोगों के शामिल होने की संभावना है। रैली का नेतृत्व प्रदेश स्तर के किसी वरिष्ठ नेता या दिल्ली से आने वाले किसी विशेष नेता अथवा मंत्री द्वारा किए जाने की संभावना जताई गई है।

आयोजकों का कहना है कि इस महा रैली के माध्यम से देश में अराजकता के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के साथ-साथ गणतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की जाएगी। उनका उद्देश्य लोगों को इस मुद्दे पर एकजुट करना और लोकतांत्रिक व्यवस्था की सुरक्षा के लिए आवाज बुलंद करना है।

संस्कार भारती के सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत, कविता पाठ और सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति

हावड़ाः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़ी अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की ओर से शुद्ध संस्कृति के विकास और प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हावड़ा के नेताजी सुभाष रोड स्थित भोला गिरि कलामंदिर, विश्वनाथ मिशन नर्सरी स्कूल में हुआ।



कार्यक्रम में गीत, कविता पाठ और सामूहिक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। इस दौरान सभागार दर्शकों से खचाखच भरा रहा। प्रस्तुतियों का उपस्थित लोगों ने आनंद लिया और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर लोगों का अच्छा रिस्पांस मिला है। कार्यक्रम के बाद लगातार लोग फोन कर इस तरह के सांस्कृतिक आयोजनों को बार-बार आयोजित करने की मांग कर रहे हैं। कई लोगों ने भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होने की इच्छा भी जताई है। आयोजकों के अनुसार, लोगों की इस सकारात्मक प्रतिक्रिया से उनका उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही एक बार फिर इसी तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, ताकि भारतीय संस्कृति और कला को बढ़ावा देने के साथ लोगों को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ा जा सके। विशिष्ट आयोजक एवं संयोजक श्री समीर भट्टाचार्य और श्री हरप्रसाद भट्टाचार्य के संयुक्त प्रयासों से यह कार्यक्रम सफल हुआ।

धुलागढ़ शिवतला में स्वर्ण कारोबारी से छिनतई, माथे पर बंदूक सटाकर बैग लेकर फरार हुए तीन बदमाश

हावड़ाः धुलागढ़ के शिवतला इलाके में एक स्वर्ण कारोबारी से छिनतई की घटना सामने आई है। पीड़ित कारोबारी का नाम तारक मन्ना बताया गया है।

आरोप है कि दुकान बंद कर घर लौटने के दौरान धुलागढ़ शिवतला पोस्ट ऑफिस के पास घर में प्रवेश करते समय बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने उनके माथे पर आग्नेयास्त्र सटाकर बैग छीन लिया और फरार हो गए। बताया जा रहा है कि तीनों बदमाशों ने चेहरे पर मास्क लगा रखा था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना की सत्यता की भी जांच की जा रही है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

हावड़ा में गणशक्ति बोर्ड पर कब्जे को लेकर तनाव, भाजपा और माकपा कार्यकर्ताओं के बीच

हावड़ाः चटजीहाट थाने से कुछ ही दूरी पर गणशक्ति बोर्ड पर कब्जे को लेकर तनाव फैल गया। जानकारी के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़क किनारे स्थित गणशक्ति बोर्ड के आसपास लगे माकपा के झंडे हटाकर भाजपा के झंडे लगा दिए थे। साथ ही बोर्ड का रंग लाल से बदलकर भगवा कर दिया गया था।

बुधवार रात माकपा कार्यकर्ता समूह में मौके पर पहुंचे और बोर्ड को दोबारा लाल रंग से रंगकर उस पर गणशक्ति का बोर्ड लगा दिया। इस दौरान इलाके में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। दोनों दलों के कार्यकर्ता एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। घटना की सूचना मिलने पर चटजीहाट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि, इलाके में अब भी तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि दुर्गापूजा के दौरान इसी स्थान पर माकपा के पुस्तक स्टॉल में तोड़फोड़ करने का आरोप भाजपा पर लगा था। अब एक बार फिर उसी जगह पर बोर्ड को लेकर दोनों दलों के बीच विवाद सामने आया है।

ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत आरपीएफ ने 16 नाबालिग लड़कों को बचाया



रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के खड़गपुर मंडल ने ऑपेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत दो अलग-अलग घटनाओं में 16 नाबालिग लड़कों को बचाया। ये कार्रवाई 26 और 28 अक्टूबर 2026 को शालीमार और बालेश्वर रेलवे स्टेशनों पर की गई। 28 अक्टूबर को शालीमार आरपीएफ पोस्ट के जवानों ने शालीमार स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य के घूम रहे नौ नाबालिग लड़कों को बचाया। पूछताछ के दौरान लड़कों ने बताया कि वे अपने माता-पिता की अनुमति के बिना घर से निकले थे और रोजगार की तलाश में एलुर जाने की योजना बना रहे थे।

बचाए गए नौ लड़कों में से आठ को बालेश्वर आरपीएफ पोस्ट के जवानों ने बालेश्वर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे सात नाबालिग लड़कों को बचाया था। ये लड़के भी अपने माता-पिता की अनुमति के बिना रोजगार की तलाश में चेन्नई जाने की योजना बना रहे थे।

सभी सात लड़के ओडिशा के मयूरभंज जिले के रहने वाले थे और उनकी उम्र 15 से 17 वर्ष के बीच थी। आवश्यक देखभाल और जलपान उपलब्ध कराने के बाद आरपीएफ ने चाइल्ड हेल्पलाइन, बालेश्वर के माध्यम से सभी को बालेश्वर की बाल कल्याण समिति को सौंप दिया। इन त्वरित कार्रवाइयों से कमजोर और असुरक्षित परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों



पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले और एक मालदा जिले का रहने वाला था।

उनकी उम्र 14 से 17 वर्ष के बीच थी। आवश्यक कार्रवाई के लिए सभी को हावड़ा की बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सौंप दिया गया। इससे पहले, 26 अक्टूबर की सुरक्षा तथा उन्हें संभावित शोषण और मानव तस्करी से बचाने के प्रति खड़गपुर मंडल की प्रतिबद्धता जाहिर होती है। ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत आरपीएफ रेलवे नेटवर्क में बच्चों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने ईसीएल में पुनर्वास कार्यों एवं खनन गतिविधियों की समीक्षा की; 'वेस्ट टू वेल्थ' ड्रैगलाइन शिल्प का किया उद्घाटन

आसनसोल, 29 अक्टूबर, 2026: नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी ने गुरुवार को ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) का अपना दो दिवसीय दौरा संपन्न किया। इस दौरान उन्होंने रानीगंज कोलफील्ड्स में खनन गतिविधियों एवं भू-धंसान से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (R&R) से संबंधित पहलों की समीक्षा की। अपने दौरे के दौरान उन्होंने विशेष अभियान 6 के अंतर्गत ईसीएल के सोनेपुर बाजारी क्षेत्र में औद्योगिक कबाड़ के पुनर्चक्रित अवशेषों से निर्मित 'वेस्ट टू वेल्थ' (अपशिष्ट से संपदा) शिल्प का भी उद्घाटन किया।

डॉ. लाहिड़ी का दौरा बुधवार की शाम ईसीएल एवं पश्चिम बंगाल सरकार के पश्चिम बर्धमान जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बैठक के साथ प्रारंभ हुआ। बैठक में रानीगंज कोलफील्ड्स तथा रानीगंज कोलफील्ड्स मास्टर प्लान पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। डॉ. लाहिड़ी का स्वागत ईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक डॉ. सतीश झा ने किया। बैठक में नीति आयोग के एडीजी एवं परियोजना निदेशक (खान एवं खनिज) श्री अनुपम लाहिड़ी; पश्चिम बर्धमान के जिलाधिकारी श्री पोन्नंबलम एस., आईएएस; आसनसोल दुगापुर विकास प्राधिकरण (एडीडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विवेक कुमार; ईसीएल के निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) श्री गिरिश गोपीनाथन नायर तथा राज्य सरकार एवं ईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुवार को डॉ. लाहिड़ी ने रानीगंज मास्टर प्लान के अंतर्गत अंडाल स्थित पुनर्वास स्थल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा प्रभावित परिवारों के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

इसके पश्चात उन्होंने सोनेपुर स्थित पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (R&R) स्थल का दौरा किया, जहाँ उन्होंने स्थानीय निवासियों से संवाद कर उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं एवं आकांक्षाओं को समझा। पुनर्वासित परिवारों को उपलब्ध कराई गई नागरिक सुविधाओं की समीक्षा करते हुए डॉ. लाहिड़ी ने कार्यों में हुई प्रगति तथा सोनेपुर गाँव में विकसित सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया।

सोनेपुर बाजारी ओपनकास्ट परियोजना (OCP) में क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री शंभु कुमार झा ने परियोजना की खनन गतिविधियों, पर्यावरण संरक्षण संबंधी पहलों तथा भूमि पुनरुद्धार के उपायों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। डॉ. लाहिड़ी ने क्षेत्र में हुई प्रगति की सराहना की, आवश्यक सुझाव दिए तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर विश्वास व्यक्त किया।



इस दौरे का एक प्रमुख आकर्षण सोनेपुर बाजारी क्षेत्र के आईसीएल गेट पर निर्मित हावेस्ट टू वेल्थह्व कोयला खनन विरासत शिल्प का उद्घाटन रहा। विशेष अभियान 6 के अंतर्गत विकसित यह शिल्प सोनेपुर बाजारी ओपनकास्ट परियोजना में कार्यरत मैरियन 7820-15 ड्रैगलाइन की प्रतिकृति है। स्क्रैप पार्क की सफाई पहल के दौरान एकत्रित अनुपयोगी सामग्रियों के पुनः उपयोग से निर्मित यह कलाकृति औद्योगिक अपशिष्ट के रचनात्मक पुनरुपयोग का प्रतीक होने के साथ-साथ क्षेत्र की समृद्ध कोयला खनन विरासत को भी प्रदर्शित करती है। यह पहल चक्रीय अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों के अनुरूप पुनर्चक्रण, संसाधनों के दक्ष उपयोग तथा पर्यावरणीय सततता के प्रति ईसीएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

अपने दौरे के अंतिम चरण में डॉ. लाहिड़ी ने झांझरा भूमिगत खदान का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने ईसीएल की मशीनीकृत भूमिगत खनन गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया तथा इन कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

काली पूजा विसर्जन और छठ पूजा को लेकर हावड़ा सिटी पुलिस व जिला प्रशासन सतर्क

हावड़ाः काली पूजा की प्रतिमा विसर्जन और छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने के लिए हावड़ा सिटी पुलिस, जिला प्रशासन और हावड़ा नगर निगम ने व्यापक तैयारियां की हैं। एचपीसी (हावड़ा पुलिस कमिश्नरेट) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विभिन्न गंगा घाटों पर सुरक्षा और प्रबंधन के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

प्रशासन की ओर से गंगा घाटों पर आपदा प्रबंधन समूह (डीएमजी), रिवर पुलिस और सिविल डिफेंस की विशेष टीमें तैनात की गई हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर नदी में सुरक्षित स्नान एवं विसर्जन क्षेत्र निर्धारित कर बैरिकेडिंग की गई है।

काली पूजा समितियों से अपील की गई है कि वे प्रतिमा विसर्जन के लिए निर्धारित मार्गों और समय-सारिणी का सख्ती से पालन करें, ताकि विसर्जन के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। साथ ही, ध्वनि प्रदूषण से संबंधित निर्धारित मानकों और पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों का पालन करने की भी अपील की गई है। छठ पूजा को ध्यान में रखते हुए प्रमुख गंगा घाटों पर हाईमास्ट लाइट, चिकित्सा शिविर, अस्थायी चेंजिंग रूम और आपातकालीन सहायता टीमों की व्यवस्था की गई है, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

वहीं, काली पूजा विसर्जन और छठ पूजा के प्रमुख अनुष्ठानों के दौरान गंगा घाटों के आसपास यातायात मार्गों में बदलाव और वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लागू रहेंगे। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे घर से निकलने से पहले यातायात संबंधी दिशा-निर्देशों का ध्यान रखें और अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुसार बनाएं। हावड़ा सिटी पुलिस ने सभी लोगों से त्योहारों के दौरान प्रशासन के निर्देशों का पालन



बेंगलुरु में फैमिली संग बनाएं यादगार वीकेंड

बेंगलुरू में वीकेंड पर कुछ जगहें ऐसी है, जहां पर भीड़ बहुत ज्यादा रहती है। इन जगहों पर अक्सर खासी चहल-पहल होती है। ऐसे में लोग अपने परिवार के साथ इन जगहों पर घूमने के लिए निकल जाते हैं। बारिश के मौसम में इन जगहों का नजारा बेहद खूबसूरत हो जाता है। ऐसे में इस बार के वीकेंड पर अगर आप भी अपने दोस्तों, फैमिली या वाइफ के साथ इन जगहों पर घूमने के लिए जा सकते है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बेंगलुरु की कुछ सबे स्पेशल जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपनी फैमिली के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं।

उल्सूर झील

उल्सूर झील एम.जी. रोड के पास है। यह झील मात्र 2 किमी की दूरी पर है और यहां तक पहुंचने के लिए आपको करीब 10 मिनट का समय लगेगा। यह झील सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहता है।

उल्सूर झील पुरानी और खूबसूरत झीलों में से एक है। यह



झील 50 हेक्टेयर के क्षेत्र में फैली है। बारिश के मौसम में यहां पर लोगों को आना अधिक पसंद होता है। क्योंकि इस दौरान यहां पर हरा-भरा वातावरण और बोटिंग लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह जगह बैंगलुरु के पास बेस्ट कपल स्पॉट माना जाता है।

वी आर बेंगलुरु मॉल

आप सडे का समय बिताने के लिए बेंगलुरु के वी आर बेंगलुरु मॉल भी जा सकते हैं। इस मॉल को शहर का सबसे बेस्ट और मॉडर्न मॉल्स में से एक माना जाता है। यहां पर पूरे सप्ताह लोगों की भीड़ होती है। रविवार को यहां पर सबसे ज्यादा चहल-पहल होती है।

प्रीमियम सुविधाओं और बेहतरीन ब्रांड्स के अलावा आपको मॉल के बाहर तरह-तरह के स्टॉल्स देखने को मिल जाएंगे। यहां पर आप सस्ते में खाने-पीने का सामान ले सकती हैं। फ्रेंड्स, फैमिली और कपल्स के लिए यह जगह फेवरेट हैंगआउट स्पॉट है। इस मॉल में बैठने की अच्छी जगह है और आप यहां पर समय बिता सकती हैं। वी आर बेंगलुरु मॉल सुबह 9 बजे से रात के 11 बजे तक खुला रहता है। यह मॉल व्हाइटफील्ड मेन रोड, देवसंद्रा इंडस्ट्रियल एस्टेट, महादेवपुर, बेंगलुरु में है।

लालबाग बॉटनिकल गार्डन

बता दें कि यह जगह परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी मानी जाती है। यही वजह है कि रविवार को यहां पर सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है। वहीं लालबाग बॉटनिकल गार्डन में साल में 2 बार फूलों की भव्य प्रदर्शनी भी लगती है। वहीं 26 जनवरी और 15 अगस्त को यहां पर सबसे ज्यादा लोग आते हैं। यह गार्डन माथली बेंगलुरु में है। यह गार्डन सुबह 7 बजे से रात के 10 बजे तक खुला रहता है और यह बेंगलुरु की रोमांटिक जगहों में से एक है।



पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक, देश में अलग-अलग अंदाज में मनाया जाता है दीपावली का त्योहार

दीपावली का त्योहार भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक अहम हिस्सा है। हालांकि, रोशनी का यह त्योहार देश के हर हिस्से में एक ही तरह से नहीं मनाया जाता। इस आर्टिकल में हम आपको दीवाली की उन विभिन्न परंपराओं से रूबरू कराएंगे जो भारत के अलग-अलग राज्यों में प्रचलित हैं। साथ ही, हम आपको कुछ ऐसे रोचक तथ्यों के बारे में भी बताएंगे जो दीपावली के इतिहास और महत्व को और गहरा बनाने का काम करते हैं। आइए जानें।

उत्तर भारत की दीपावली

उत्तर भारत में दीवाली को भगवान राम के अयोध्या वापसी के स्वागत में मनाया जाता है। लोग अपने घरों को दीयों और रंगोली से सजाते हैं, नए कपड़े पहनते हैं और मिठाइयां बांटते हैं। दीवाली की रात को, लोग देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करते हैं और धन की देवी से आशीर्वाद मांगते हैं।

पश्चिम भारत की दीपावली

पश्चिम भारत की बात करें, तो खासतौर से गुजरात में दीवाली को नए साल के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान लोग अपने घरों को साफ करते हैं, नए कपड़े खरीदते हैं और नए साल का स्वागत करते हैं। गुजरात में, दीवाली के दौरान पतंग उड़ाना एक लोकप्रिय परंपरा बनी हुई है।

दक्षिण भारत की दीपावली

दक्षिण भारत में दीवाली को थोड़ा अलग तरीके से मनाया जाता है। तमिलनाडु में, दीवाली को नरक चतुर्दशी के रूप में मनाया जाता है, जो भगवान कृष्ण द्वारा नरकासुर राक्षस का वध करने का प्रतीक है। कर्नाटक में, दीवाली को बाली चतुर्दशी के रूप में मनाया जाता है, जो भगवान विष्णु द्वारा बाली राक्षस का वध करने का प्रतीक है।

पूर्वी भारत में दीपावली

पूर्वी भारत, विशेषकर बंगाल में दीवाली का त्योहार काली पूजा के साथ अत्यंत धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व केवल प्रकाश का त्योहार ही नहीं, बल्कि शक्ति और विनाश की देवी, मां काली की आराधना का पावन अवसर भी है। माना जाता है कि देवी काली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक हैं। बता दें, काली पूजा बंगाली संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। यह त्योहार लोगों को एकजुट करता है और सामाजिक बंधनों को मजबूत भी बनाता है।

अलग-अलग राज्यों का अपना-अपना अंदाज

भारत के अन्य हिस्सों में भी दीवाली को अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। उदाहरण के लिए, गोवा में, दीवाली को दीपावली के रूप में मनाया जाता है, जो प्रकाश का त्योहार है। पंजाब में, दीवाली को बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो सिखों के छठे गुरु, गुरु हरगोबिंद साहिब की मुक्ति का दिन है।

दीवाली की विविधता भारत की विविधता का ही प्रतिबिंब है। भारत के विभिन्न राज्यों में, दीवाली को अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है, लेकिन सभी जगहों पर दीवाली का मूल अर्थ एक ही है- बुराई पर अच्छाई की जीत, अंधेरे पर प्रकाश की जीत। बता दें, दीवाली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है। दीवाली हमें एक-दूसरे के साथ जुड़ने, प्यार और खुशी बांटने और नए साल की शुरुआत करने का मौका देती है।

इस दौरान, लोग एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाते हैं, पटाखे फोड़ते हैं और उपहार भी देते हैं। दीवाली की रात को, लोग एक-दूसरे के घरों में जाते हैं और शुभकामनाएं देते हैं। दीवाली एक ऐसा त्योहार है जो सभी धर्मों और जातियों के लोगों द्वारा मनाया जाता है। यह त्योहार हमें सिखाता है कि बुराई पर अच्छाई की हमेशा जीत होती है और अंधेरे में भी उम्मीद की किरण हमेशा जलती रहती है।



दीवाली के दिन इस खास वजह से बनाई जाती है जिमीकंद की सब्जी



दीवाली का त्योहार आने में अब कुछ ही दिन बाकी है। रोशनी का यह पर्व हर साल पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। इस साल यह त्योहार 31 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दीयों और मोमबत्तियां की रोशनी से जगमगाता यह पर्व अंधकार में रोशनी की तरह जगमगाने की प्रेरणा देता है। इस दौरान लोग अवसर अपने घरों की साज-सज्जा करते हैं और ढेर सारे पकवान भी बनाते हैं, लेकिन दीवाली का यह पर्व सिर्फ मोमबत्तियां, दीयों और मिठाइयों तक ही सीमित नहीं है। इस दौरान कई रीति-रिवाज और परंपराएं भी निभाई जाती है।

इन्हीं परंपरा में से एक है दीवाली के दिन सूरन यानी जिमीकंद की सब्जी बनाना। इस दिन कई घरों में खास तौर पर जिमीकंद की सब्जी बनाई जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि दीवाली के दिन इस सब्जी को बनाने का क्या महत्व है और उसके पीछे का कारण क्या है।

क्यों बनाई जाती है जिमीकंद की सब्जी?

जिमीकंद जिसे ओल, सूरन या हाथी पैर रतालू के नाम से भी जाना जाता है, दीवाली के मौके पर खासतौर से बनाई जाती है। इसे बनाने की यह परंपरा मुख्य रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में निभाई जाती है। इस परंपरा का पालन ज्यादातर कायस्थ और ब्राह्मण समुदाय के लोग करते हैं। दरअसल, एक मान्यता है कि दीवाली पर इस सब्जी को बनाना शुभ होता है और इससे घर परिवार में खुशहाली आती है।

समृद्धि का प्रतीक है जिमीकंद

दीवाली के दिन इस सब्जी को बनाना इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इस जड़ वाले सब्जी को समृद्धि का संकेत माना जाता है। दरअसल, जिमीकंद की कटाई के बाद अगर इसका कुछ हिस्सा मिट्टी में रह जाए, तो उससे दूसरा जिमीकंद उग जाता है, जिसे समृद्धि का सूचक मानते है।

साथ ही यह भी माना जाता है कि यह सब्जी कभी खराब नहीं होती। ऐसे में दीवाली के दिन इस सब्जी को बनाकर मां लक्ष्मी को भोग लगाया जाता है और उनसे प्रार्थना की जाती है कि जिस तरह जिमीकंद कभी खराब नहीं होता और हमेशा फलता-फूलता है, उसी तरह उनके घर में भी खूब तरक्की और समृद्धि आए।

जिमीकंद के फायदे

रीति-रिवाज और परंपरा के अलावा जिमीकंद वैज्ञानिक सृष्टि से भी काफी महत्वपूर्ण होता है। यह सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होने की वजह से इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही इसमें मौजूद ढेर सारे विटामिन, मिनरल, फैट, प्रोटीन, पोटेशियम और घुलनशील फाइबर कई तरह की समस्याओं से बचाव करते हैं। इसके अलावा सूरन हाई ब्लड प्रेशर कम करने में भी मदद करता है।

कम समय और कम बजट में भी चमचमाएगा आपका घर, बस इस तरह से कर लें सजावट

आज के समय लोग अपने घर के इंटीरियर को सजाने के लिए तरह-तरह के उपयोग करते रहते हैं। वहीं, कुछ लोग अपने घर के अंदर नए-नए फर्नीचर को मार्केट से लेकर आते हैं तो कई लोग घर के दीवारों पर तरह-तरह की पेंटिंग लगाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने घर के इंटीरियर को सजाने का प्लान कर रहे हैं तो हम आपके लिए कुछ बेहतरीन टिप्स लेकर आए हैं। इन टिप्स की मदद से आप अपने घर को कम बजट और एकदम कम समय में भी आसानी से सजा सकते हैं।

पुरानी चीजों से घर को दें नया लुक

आप अपने घर को पुराने चीजों की मदद से भी सजा सकते हैं। इसमें आपको ज्यादा खर्च करने पड़ेंगे। आप घर में पड़ी पुरानी बोतलें, डिब्बे या फिर जार को सही से कलर कर लें और आप इसको सजावट के रूप में प्रयोग कर सकते हैं। आप पुरानी साड़ियों या फिर कपड़ों को भी होम डेकोरेशन के तौर पर इस्तेमाल कर सकती है।

दीवारों की सजावट कैसे करें?

आप अपने घर की दीवारों को सजा सकते हैं, इससे आपके इंटीरियर का लुक काफी बेहतर आएगा। आप दीवारों को पेंट करा सकते हैं या फिर आप इस पर पेंटिंग्स या फोटोज भी लगा सकते हैं। आप इसको मार्केट से आसानी से खरीद सकते हैं। आप दीवारों को सजाने के लिए वॉलपेपर का भी उपयोग कर सकते हैं। यह सस्ता होने के साथ-साथ लगाने में भी काफी आसान होता है।

घर के अंदर लगाएं सजावटी पौधे

घर को सजाने के लिए आप सजावटी पौधे का उपयोग कर सकते हैं। आप इसके लिए प्राकृतिक पौधों का ही उपयोग करें, जो अंदर की हवा को भी साफ करने में मदद करेंगे। आप इन पौधों को हैंग भी कर सकते हैं या फिर जमीन पर भी सीधे गमले में रख सकते हैं।



बेलूर मठ से नवान्न, शालीमार स्टेशन तक बस सेवा शुरू करने की अपील

हावड़ा की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार और यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने की मांग को लेकर राष्ट्र निर्माण संघ के संस्थापक अजय कुमार झा ने परिवहन मंत्री अर्जुन सिंह को सात सूत्री मांगपत्र सौंपा। इसमें बस सेवाओं के विस्तार, पुराने मिनी बस रूट की बहाली, ऑटो के निर्धारित मार्ग पर परिचालन, किराया सूची प्रदर्शित करने और यात्रियों की शिकायतों के त्वरित समाधान जैसे मुद्दे उठाए गए हैं।

राष्ट्र निर्माण संघ की ओर से सौंपे गए मांगपत्र में बेलूर मठ अब्बा वाली खाल से नवान्न और शालीमार रेलवे स्टेशन तक नियमित सरकारी बस सेवा शुरू करने की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि इससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा होगी।

इसके अलावा, बेलगछिया से सालकिया होते हुए सॉल्टलेक तक चलने वाले पुराने मिनी बस रूट नंबर 17 को फिर से शुरू करने की मांग की गई है। बामनगाछी ब्रिज के चालू होने तक यात्रियों की सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने का भी सुझाव दिया गया है। मांगपत्र में यह भी कहा गया है कि यदि सॉल्टलेक रूट पर पर्याप्त यात्री नहीं मिलते हैं, तो बेलगछिया से सालकिया होते हुए चितपुर स्थित कोलकाता रेलवे स्टेशन तक बस सेवा शुरू करने की संभावना पर विचार किया जाए।



राष्ट्र निर्माण संघ ने बस, मिनी बस और ऑटो में स्वीकृत किराये की सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य करने की मांग की है। संगठन के अनुसार, इससे यात्रियों को निर्धारित किराये की जानकारी मिलेगी और अधिक किराया वसूले जाने की शिकायतों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

वहीं, ऑटो चालकों द्वारा निर्धारित गंतव्य तक जाने के बजाय बीच रास्ते से ही वाहन वापस लौटा देने की समस्या पर कार्रवाई करने की मांग की गई है। संगठन ने यात्रियों को उनके निर्धारित गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। यात्रियों की सुविधा के लिए बेलूर मठ और बेलगछिया से हावड़ा मैदान मेट्रो स्टेशन तक नियमित बस सेवा शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। इससे मेट्रो से यात्रा करने वाले लोगों को स्टेशन तक पहुंचने में सहूलियत होगी।

सार्वजनिक परिवहन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संगठन ने टोल-फ्री हेल्पलाइन और आधिकारिक ईमेल व्यवस्था शुरू करने की मांग की है। साथ ही, शिकायतों की समयबद्ध जांच, नियमानुसार कार्रवाई और शिकायतकर्ताओं को कार्रवाई की जानकारी देने की व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया है। राष्ट्र निर्माण संघ के संस्थापक अजय कुमार झा ने परिवहन विभाग से इन सातों मांगों पर विचार कर आवश्यक कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा, किराये में पारदर्शिता और शिकायतों का त्वरित निपटारा सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है।

महिलाओं के खिलाफ अपराध बर्दास्त नहीं!

बंगाल के खाद्य आपूर्ति मंत्री अशोक कीर्तनिया ने उत्तर 24 परगना जिले के गायघाटा में किशोरी से दुष्कर्म व हत्या के आरोपित की सड़क पुलिस एनकाउंटर में मौत की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ घिनौने अपराध में शामिल लोगों को सीधे परिणाम भुगतने होंगे। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कीर्तनिया ने कहा कि यह भाजपा सरकार है और शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री हैं। जो लोग गलत काम करते हैं और महिलाओं और बच्चों के खिलाफ ऐसे अपराध करते हैं, उन्हें उचित कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। मंत्री ने कहा कि अगर कोई पुलिसकर्मी पर हमला करता है, तो क्या पुलिस उन्हें छोड़ देगी? पुलिस को पूरे अधिकार दिए गए हैं। यह पुलिस फोर्स पिछली सरकार की तरह नहीं है। आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को चेतावनी देते हुए कीर्तनिया ने कहा कि गुंडागर्दी करने वालों और दुष्कर्म करने वालों को अपनी हरकतें बंद कर देनी चाहिए वरना भविष्य में उनका भी वही हाल होगा जो अभी हुआ है। वहीं, बंगाल से भाजपा के राज्यसभा सदस्य व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि हम किसी भी हालत में दुष्कर्मियों का साथ नहीं देंगे और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। हमने यह पहले भी कहा है और हम अपने कामों से इसे साबित करेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार के समय बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराध का माहौल था और ममता बनर्जी ने अपराधियों का साथ दिया और पीड़ितों को बेड़ज्जत किया था। इसकी वजह से बंगाल दुष्कर्मियों के लिए जाना जाने वाला राज्य बन गया था। अब ऐसा नहीं होगा। राज्य सरकार महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध को बिल्कुल खत्म करेगी और महिलाओं को हिंट ऊंचा करके चलने वाला माहौल बनाएगी।



तृणमूल सांसद ने एनकाउंटर की न्यायिक जांच की मांग की

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद सौगत राय ने घटना के हालात पर सवाल उठाए और स्वतंत्र जांच की मांग की। राय ने कहा कि यह पुलिस द्वारा एनकाउंटर में की गई हत्या है। पुलिस ने पहले भी ऐसा किया है, और ऐसा लगता है कि यहां भी ऐसा ही हुआ है। इस मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए। मालूम हो कि पिछले हफ्ते बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के गायघाटा में एक किशोरी से दुष्कर्म और हत्या के आरोपित प्रहलाद दास की मंगलवार तड़के पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई।

मिली बिजली पैदा करने वाली मछली की नई प्रजाति

सौनू कुमार झा, कोलकाता : भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेज़ेएसआइ) के वैज्ञानिकों ने दक्षिण-पूर्वी अटल सागर की गहराइयों में बिजली पैदा करने वाली मछली की नई प्रजाति खोजी है। इसका नाम पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के गहरे महासागर मिशन के मिशन निदेशक डा एमवी रमणमूर्ति के सम्मान में 'टेट्रोनार्सी रमणमूर्ति रखा गया है, जिनका समुद्री विज्ञान, महासागर अभियांत्रिकी और समुद्री आपदा जोखिम कम करने के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है।



यह खोज हालिया महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तरी हिंद महासागर में टेट्रोनार्सी प्रजाति की मौजूदगी का यह पहला प्रमाणित अभिलेख है। इससे भारत के गहरे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में मौजूद अज्ञात जीवों व जैव विविधता को समझने में मदद मिलेगी।

खोज का नेतृत्व चेन्नई स्थित जेज़ेएसआइ के समुद्री जीव विज्ञान क्षेत्रीय केंद्र के वैज्ञानिक डा केके बिनीश और कनिष्ठ शोधार्थी अनिल कार्तीनाथ ने किया। अमेरिका के सैन जोस स्टेट यूनिवर्सिटी से संबद्ध मोस लैंडिंग मरीन लैबोरेटरीज के पैसिफिक ब्लांक डिसर्ट सेंटर के डा हैरिड ए एबर्ट ने भी सहयोग दिया। वैज्ञानिकों ने भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट के पास से एकत्र किए गए नौ नमूनों के शारीरिक लक्षणों व आनुवंशिक संरचना का अध्ययन कर इस नई प्रजाति की पहचान की।

इसे सामान्य तौर पर 'अरबियन ब्लैक इलेक्ट्रिक रे' नाम दिया गया है। इसका शरीर गहरे भूरे-काले से गहरे भूरे रंग का है।

इसके शरीर की बनावट, आंखों के पीछे स्थित श्वसन छिद्रों के आकार, पेक्टोरल पंखों की अनुपस्थिति और छोटे विद्युत अंग इसे अन्य संबंधित प्रजातियों से अलग बनाती है। इस प्रजाति में कुल 99 कशेरुकाएं पाई गई हैं।

वैज्ञानिकों ने माइटोकान्ड्रियल डीएनए के सीओआइ और एनडी2 जीन का विश्लेषण कर इसकी अलग विकासवादी पहचान की पुष्टि की है।

आनुवंशिक अंतर का स्तर संबंधित प्रजातियों के मुकाबले 2.2 से 6.7 प्रतिशत तक पाया गया।

बंगाल के तटीय इलाके में आठ साल बाद दिखा दुर्लभ पक्षी

कोलकाता : बंगाल के तटीय इलाके में आठ साल बाद चम्मच जैसी चोंच वाला दुर्लभ पक्षी उत्पन-बिल्ड सैंडपाइपर नजर आया है। इसे कोलकाता से सटे दक्षिण 24 परगना जिले के बकखाली स्थित काटगिल बीच पर देखा गया। यह पक्षी रूस के सुदूर पूर्वी इलाके से करीब 8,000 किलोमीटर की दूरी तय करके पहुंचा है। पैर पर लगे टैग से इसकी पहचान हुई, जो रूस में लगाया गया था। वहांवाचर्न सोसायटी के सदस्य तीर्थंकर राय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया- हमें जो पता चला है, उसके अनुसार छह जुलाई, 2025 को रूस के चुकोटका क्षेत्र में इसे चूने के रंग में टैग किया गया था। इससे पहले इस पक्षी को 2018 में बंगाल में देखा गया था। संभवत: प्रवास मार्ग में अस्थायी आवासों के नष्ट होने, तटीय क्षेत्रों में मानवीय गतिविधियों से होने वाली परेशानियों और शिकार के कारण इनका आना बंद हो गया था। फिर से आना अच्छा संकेत है। यह आभास देता है कि इनके प्रवास मार्ग की कठिनाइयां कम हुई हैं। मालूम हो कि स्पून-बिल्ड सैंडपाइपर दुनिया के सबसे संकटग्रस्त प्रवासी तटीय पक्षियों में शामिल है। पूरी दुनिया में इसकी संख्या वर्तमान में 500 से भी कम बताई जाती है।



स्पून-बिल्ड सैंडपाइपर की चोंच का लिंग चम्मच की तरह चौड़ा है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वैज्ञानिक नाम कैलिड्रिस पिग्मिया है। प्रजनन के मौसम में इसके सिर, गर्दन और छाती पर लाल-भूरा रंग दिखाई देता है, जबकि अन्य मौसम में इसका ऊपरी शरीर भूरा-धूसर और निचला हिस्सा सफेद होता है। यह रूस के सुदूर पूर्वोत्तर में चुकोटका और कामचटका के तटीय इलाकों में प्रजनन करता है और सर्दियों में दक्षिण व दक्षिण-पूर्व एशिया के तटीय क्षेत्रों की ओर प्रवास करता है। यह समुद्र तटों की गीली रेत और कीचड़ में छोटे कृमि, क्रिंग तथा अन्य सूक्ष्म जीव खाता है।

जारी होगी बंगाल की नई औद्योगिक नीति

बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के उद्देश्य से राज्य सरकार कालीपूजा व दिवाली से पहले पांच नवंबर को नई औद्योगिक नीति की घोषणा करेगी।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल (कैबिनेट) बैठक में औद्योगिक नीति के मसौदे को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि नई नीति को मंत्रियों के समूह (जीओएम) से पहले ही मंजूरी मिल चुकी थी और राज्य कैबिनेट ने भी इसे स्वीकृति दे दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पांच नवंबर को कोलकाता व राज्य के प्रमुख उद्योगपतियों की उपस्थिति में नवान्न सभागार से वह इस नीति की घोषणा करेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि अगले एक वर्ष में बंगाल देशभर के उद्योगपतियों के लिए प्रमुख निवेश केंद्र और औद्योगिक गंतव्य बनेगा। राज्य सरकार का दावा है कि नई नीति के माध्यम से निवेश के अनुकूल माहौल तैयार करने, प्रक्रियागत बाधाओं को दूर करने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

नई नीति में पारदर्शी भूमि आवंटन व्यवस्था, निवेश प्रोत्साहन और बिजली शुल्क में सब्सिडी जैसे प्रावधान शामिल किए गए हैं। 100 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने वाले उद्योगपतियों को विशेष प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है। सरकार का उद्देश्य केवल वित्तीय रियायतों की घोषणा करना नहीं, बल्कि राज्य में उद्योग स्थापित करने और कारोबार चलाने की प्रक्रिया को भी आसान बनाना है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नौ मई को पदभार संभालने के बाद राज्य में औद्योगिक विकास और आर्थिक गतिविधियों को गति देने को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री के अनुसार, नई औद्योगिक नीति तैयार करने की प्रक्रिया जून से चल रही थी। उद्योग मंत्री तापस राय की देखरेख में इसका मसौदा तैयार किया गया है। नवान्न के सूत्रों के अनुसार, राज्य में उद्योग लगाने के इच्छुक निवेशकों को अब तक पंचायत संबंधी मंजूरी, भूमि के नामांतरण, भूमि के वर्गीकरण में बदलाव, ट्रेड लाइसेंस और भवन निर्माण की अनुमति जैसी प्रक्रियाओं के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने पड़ते थे। नई नीति में इन बाधाओं को दूर करने और विभिन्न सरकारी प्रक्रियाओं को अधिक सरल बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। नई नीति में मुख्य रूप से भूमि आवंटन, बिजली और वित्तीय प्रोत्साहन से जुड़े प्रावधानों पर जोर है। राज्य में औद्योगिक पार्कों का भी विस्तार किया जाएगा। इसके लिए पहले निवेशकों को किसानों से सीधे जमीन खरीदने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या के समाधान के लिए भूमि नीति में महत्वपूर्ण बदलाव किए जाने की तैयारी है।

औद्योगिक नीति के अलावा कैबिनेट बैठक में राज्य की मौजूदा किसान बंधु योजना का नाम बदलकर मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने इसकी जानकारी देते हुए राज्य के किसानों के लिए बड़ी घोषणा की।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पांच नवंबर को हुगली जिले के पुरश्रुरा से मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के बैंक खातों में पहली किस्त के रूप में तीन-तीन हजार रुपये की राशि भेजेंगी। राज्य के करीब 50 लाख किसानों को इसका लाभ मिलेगा। शुभेंदु ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत केंद्र सरकार किसानों को सालाना 6,000 रुपये देती है।

भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में राज्य में सरकार बनने पर इसके अतिरिक्त 3,000 रुपये देने का वादा किया था। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत यह राशि दो किस्तों में दी जाएगी। इस योजना का लाभ उन्हीं किसानों को मिलेगा, जो प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थी हैं।

चोरबागान हादसे में मारे गए मुजफ्फरपुर के पिता-पुत्र के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता



कोलकाता के चोरबागान में हुए दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले मुजफ्फरपुर (बिहार) निवासी पिता-पुत्र के परिजनों को पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मृतकों के परिजनों के लिए 25-25 लाख रुपये के दो मुआवजा चेक भेजे हैं।

उल्लेखनीय है कि चोरबागान हादसे में कुल 19 लोगों की मौत हुई थी। इनमें पश्चिम बंगाल के 17 मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वयं उपस्थित होकर आर्थिक सहायता प्रदान कर चुके हैं। वहीं, इस हादसे में बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी एक ही परिवार के पिता और पुत्र की भी मौत हो गई थी।

दो सदस्यों को खोने वाले परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने विशेष पहल की है। उन्होंने अपनी ओर से दोनों मृतकों के परिजनों के लिए कुल 50 लाख रुपये की सहायता राशि के चेक मंत्री उमेश राय के हाथों भेजे हैं।

बताया गया है कि मुख्यमंत्री ने मंत्री उमेश राय के फोन पर परिवार के सदस्यों से बातचीत कर अपनी संवेदना व्यक्त की और इस मुश्किल घड़ी में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिया।

एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

कैबिनेट का बड़ा फैसला

शिक्षक अब नहीं लड़ सकेंगे चुनाव

•कैबिनेट ने नई नियुक्तियों में शिक्षकों के प्रत्यक्ष राजनीति में शामिल होने पर रोक का लिया बड़ा फैसला

बंगाल में अब नए नियुक्त होने वाले शिक्षक पंचायत, नगर निकाय, लोकसभा और विधानसभा समेत किसी भी चुनाव में उम्मीदवार के रूप में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। अन्य राज्यों की तरह नए शिक्षक प्रत्यक्ष राजनीति में भी शामिल नहीं हो सकेंगे। दुर्गा पूजा के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक के बाद राज्य सचिवालय नवान्न सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने खुद इसकी जानकारी देते हुए कहा कि नई नियुक्तियों में शिक्षकों के प्रत्यक्ष राजनीति में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।



शिक्षकों के लिए नई गाइडलाइन बनाई जाएगी और इसे स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की भर्ती प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले से राजनीति में सक्रिय शिक्षकों के मौजूदा अधिकारों को समाप्त नहीं किया जाएगा। यानी यह फैसला पहले शिक्षकों पर लागू नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने नए भर्ती होने वाले शिक्षकों के प्रत्यक्ष राजनीति में शामिल होने पर रोक के इस निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य शिक्षकों की गरिमा बहाल करने और शिक्षा व्यवस्था में सुधार करना है। पूर्ववर्ती वामशासित और तृणमूल कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि शिक्षकों को प्रत्यक्ष राजनीतिक गतिविधियों से दूर रखने से वे पढ़ाई और विद्यार्थियों के भविष्य पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि मंत्रिमंडल की बैठक में लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने विभिन्न विभागों में कुल 1,199 नए पद सृजित करने का भी निर्णय लिया है। इन पदों पर जल्द अधिसूचना जारी कर परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्तियां की जाएंगी। उन्होंने याद दिलाया कि दुर्गा पूजा से पहले पिछली कैबिनेट बैठक में करीब 45 हजार पदों के सृजन का निर्णय लिया गया था। नए पदों के सृजन का उद्देश्य विभिन्न विभागों में कर्मचारियों की जरूरत पूरी करना और प्रशासनिक कामकाज को गति देना है।





स्वत्वाधिकारी 'बात हिन्दुस्तान की' (पाक्षिक) पेपर के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी, गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं एल.एस पब्लिकेशन्स प्रा. लि.4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता -700015 से मुदित, सम्पादक- वैद्यनाथ झा, फोन-9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के उत्तरदायी, ईमैल/वेबसाईट - www.baathindustanki@gmail.com
(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan ki' Smt. Soni Kumari Jha, 223, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO_R.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from L.S. publication private limited.4 no, canel west road, Kolkata 700015, Editor: Baidyanath Jha Mo. 9798848926, Email/Website: www.baathindustanki@gmail.com